भारतीय कंठ संगीत और वाद्य संगीत

गायन-वादन सुमेल

डॉ. अरुण मिश्रा

Manohar Memorial College
Library
Accession No. 29691
Class No. ....
F...abad - 125

कनिष्का पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स
नई दिल्ली-110 002

Scanned by TapScanner

अनुक्रम

प्राक्कथन v

कृतज्ञता-ज्ञापन xi

प्रथम अध्याय

कंठ संगीत और वाद्य संगीत का प्राकृतिक प्रादुर्भाव 1

- कंठ संगीत और वाद्य संगीत का आधारभूत तत्त्व नाद
- कंठध्वनि की उत्पत्ति : प्राचीन संगीतशास्त्रियों की दार्शनिक धारणाएँ
- मानव कंठध्वनि और आधुनिक विज्ञान
- मानव शरीर में स्वरयन्त्र की स्थिति
- ध्वनि-संचार
- कंठ संगीत
- वाद्यों का प्राकृतिक प्रादुर्भाव और उनका कंठ संगीत से सम्बन्ध
- सन्दर्भ

द्वितीय अध्याय

प्राचीन गीति-काव्य और ऐतिहासिक वाद्य 13

- गीति-काव्य की व्याख्या
- प्राचीनतम ग्रन्थ ऋग्वेद में वाद्यों की अभिव्यक्ति
- यजुर्वेद में वाद्यों की अभिव्यक्ति
- सामवेद में वाद्यों की अभिव्यक्ति
- अथर्ववेद में वाद्यों की अभिव्यक्ति
- आदिकाव्य श्रीमद्वाल्मीकीय रामायण और सांगीतिक वाद्य
  - –बालकाण्डम्
  - –अयोध्याकाण्डम्
  - –अरण्यकाण्डम्

Scanned by TapScanner

–किष्किन्धाकाण्डम्
–सुन्दरकाण्डम्
–लंकाकाण्डम्
–उत्तरकाण्डम्
• महाभारत में वाद्यों का उल्लेख
• गीत और वाद्यों का भावात्मक प्रतीक श्रीमद्भागवत महापुराण
• कालिदास की कृतियों में सांगीतिक वाद्यों का महत्त्व
• युग प्रवर्त्तक कवि जयदेव
• निष्कर्ष
• सन्दर्भ

तृतीय अध्याय

उत्तर भारतीय कंठ संगीत और वाद्य संगीत 48

• कंठ संगीत में वाद्यों का योगदान
• वाद्य और आधार-स्वर
• आधार स्वर और तानपूरा
• सुर साधना में वाद्य का महत्त्व
• 'सुर' साधना
• संगति
• संगतकार
• वर्तमान वादन-शैलियों में प्रचलित गेय विधाओं का योगदान
• स्वतन्त्र वादन की परम्परा
• वाद्यों पर गायकी अंग और तन्त्रकारी अंग
• स्वर वाद्यों पर ध्रुवपद अंग का आलाप
• वाद्यों पर गत और गीत-वादन-शैली
• विलम्बित ख़याल और विलम्बित गतवादन
• विलम्बित गतवादन का विस्तार
• द्रुत ख़याल और द्रुत गत
• ठुमरी और वाद्य संगीत
• बोल-बाँट की ठुमरी और रज़ाख़ानी गत
• बोल-बनाव की ठुमरी और वाद्य वादन
• ठुमरी-गायन-वादन की विस्तार-प्रक्रिया
• दादरा और वाद्य-वादन
• टप्पा

Scanned by TapScanner

- तराना
- लोकसंगीत
- सुगम संगीत
- चित्रपट संगीत
- सन्दर्भ

गायन-वादन घरानों का अन्योन्याश्रित सम्बन्ध

- शैली विश्लेषण
- वर्तमान गायन-वादन शैलियों के अन्तर्गत घराने
- घराना और गुरु-शिष्य परम्परा
  - –गुरु
  - –शिष्य
  - –सम्प्रदाय
- व्यक्तिगत विलक्षणता
- तानसेन और उनके वंशजों का कंठ और वाद्य संगीत
- ख़ानदानी संगीतज्ञ
- वादक द्वारा गायन की नवीन शैली 'ख़याल' का प्रादुर्भाव
- सदारंग और घरानों का प्रादुर्भाव
- प्रमुख घरानों में गायकों और वादकों का सम्बन्ध
- वादकों से ख़याल-शैली के ग्वालियर घराने का सम्बन्ध
- सरोदवादन का ग्वालियर घराना
- आगरा घराना
- किराना घराना
- रामपुर घराना
- बाबा अलाउद्दीन का मैहर घराना
- सहसवान घराना
- जयपुर दरबार का घराना
- अल्लादिया खां
- जयपुर के मोहम्मद अली
- जयपुर के बीनकार रज़ब अली
- देवास के गायक रज़ब अली
- सेनिया घराने के सितारवादक अमृत सेन
- जयपुर दरबार का डागर बानी घराना

Scanned by TapScanner

- दिल्ली घराना
- पटियाला घराना
- मेवाती घराना
- बनारस के संगीतज्ञ
- उस्ताद अमीर खां साहब का इन्दौर घराना
- सितारवादकों का इमदादखानी घराना
- सेनिया परम्परा के सितारवादक उ. मुश्ताकअली खाँ
- निष्कर्ष
- सन्दर्भ

पंचम अध्याय

मनोवैज्ञानिक परिधि में कंठ और वाद्य संगीत का सम्बन्ध 162

- मनोविज्ञान की परिभाषा
- कंठ संगीत और वाद्य संगीत का मनोवैज्ञानिक सम्बन्ध
- आनुवंशिकता
- परिवेश
- ध्यान और ध्यान के प्रकार
- रुचि
- ध्यान और रुचि का सम्बन्ध
- अभिरुचि
- स्मृति
  - –सीखना
  - –धारणा
  - –पुनः स्मरण या प्रत्यास्मरण
  - –पहचान या प्रत्यभिज्ञा
- अनुकरण
- मनोविश्लेषण
  - –मन के स्तर
  - –चेतन मन
  - –अचेतन मन
  - –अवचेतन मन
- निष्कर्ष
- सन्दर्भ

Scanned by TapScanner

षष्ठ अध्याय

अन्योन्याश्रित बन्दिशों का स्वरबद्ध संग्रह 197

- बन्दिश का अर्थ एवं परिभाषा
- बन्दिशों के आधार पर विभिन्न विधाओं का अस्तित्त्व
- शास्त्रीय संगीत में बंदिशों का महत्त्व
- ध्रुवपद पर आधारित तन्त्रवाद्यों की बन्दिशें
  - –बीन प्रभावित ध्रुवपद
  - –धमार अंग की गत बन्दिश
- प्राचीन मसीतख़ानी गतों की बन्दिश रचना
- प्रचलित बिलम्बित ख़याल की बंदिशों के मुखड़ों के आधार पर विलम्बित गतों के मुखड़ों की रचना
- मसीतखानी गत पर आधारित विलम्बित ख़याल
- द्रुत ख़याल की रचनाओं पर द्रुत गतें
- प्रसिद्ध वादकों द्वारा खयाल की रचनाएं
- गायकों द्वारा गत की रचनाएं
- द्रुत गत पर आधारित ख़याल की रचना
- बंदिशी ठुमरियों पर आधारित रज़ाखानी गतों की रचना
- रज़ाखानी गतों पर आधारित ठुमरी की रचनाएं
- दादरा पर आधारित वाद्य संगीत की धुन
- टप्पा अंग की गत
- तरानों के आधार पर गत की रचनाएं
- द्रुत गत से प्रभावित तराना
- स्वरमालिका के आधार पर गतों की रचनाएं
- चैती पर आधारित धुन
- कजरी पर आधारित धुन
- सन्दर्भ

सप्तम अध्याय

गायकों व वादकों से साक्षात्कार 246

- तबलावादक उस्ताद अल्लारखा खाँ साहब से साक्षात्कार
- सुप्रसिद्ध गायक कलाकार पं. जसराज जी से साक्षात्कार
- सन्तूरवादक पं. शिवकुमार शर्मा जी से साक्षात्कार
- सुप्रसिद्ध गायक कलाकार राजन साजन मिश्रा से साक्षात्कार
- मोहन वीणा वादक श्री विश्वमोहन भट्ट से साक्षात्कार

Scanned by TapScanner

- पद्मभूषण श्री देबू चौधरी से साक्षात्कार
- सुप्रसिद्ध गायक उस्ताद हफ़ीज अहमद खाँ से साक्षात्कार
- प्रसिद्ध गायिका श्रीमती अश्विनी देशभिंडे जी से साक्षात्कार
- हारमोनियमवादक महमूद धौलपुरी से साक्षात्कार
- पं. जसराज जी के सुशिष्य श्री संजीव अभयंकर जी से साक्षात्कार
- सारंगीवादक उस्ताद सुलतान खाँ से साक्षात्कार
- प्रसिद्ध सन्तूरवादक भजन सोपोरी से साक्षात्कार
- सुप्रसिद्ध संगीतशास्त्री परम पूजनीय पं. शंकरलाल जी मिश्र से साक्षात्कार

उपसंहार **286**

सन्दर्भ-ग्रन्थ-सूची **291**

Scanned by TapScanner